हरिभूमि

epaper.haribhoomi.com
Rohtak Jind - 23 Jan 2026 - Page 4

युवा महोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मिल रहा नैतिकता व मानवता का संदेश : प्रो. सैनी

हरियाणवीं संस्कृति में रंगा सीआरएसयू

- जीवंत सांस्कृतिक उत्सव की दिखी झलक
- बच्चों ने एक से बढ़कर एक दी प्रस्तुति, मोहा मन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| जींद

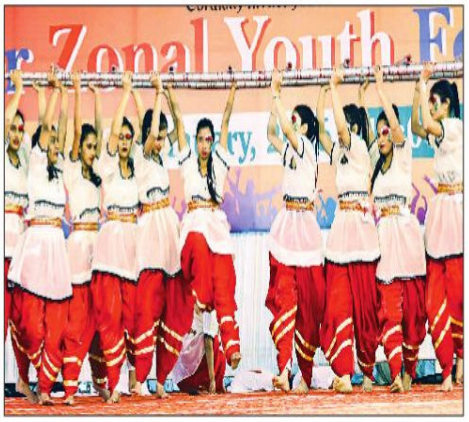

जींद। युवा महोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते हुए टीमें। फोटो : हरिभूमि

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय (सीआरएसयू) जींद में आयोजित तीन दिवसीय इंटर जोनल युवा महोत्सव का दूसरा दिन कला, संस्कृति, अनुष्ठान और उत्सव की दृष्टि से एक अविस्मरणीय अनुभव बन गया। विश्वविद्यालय परिसर सुबह से ही लोक संस्कृति, पारंपरिक वेशभूषा, रंग बिरंगे परिधानों, ढोल की थाप और विद्यार्थियों के उल्लासपूर्ण उत्साह से जीवंत हो उठा। चारों ओर हरियाणवी संस्कृति की सुगंध, लोकगीतों की गूंज और युवा ऊर्जा का उत्सव देखने को मिला। महोत्सव के दूसरे दिन विभिन्न महाविद्यालयों व विश्वविद्यालय से आई टीमों ने अत्यंत उत्साह और समर्पण के साथ भागीदारी करते हुए हरियाणवी संस्कृति के विविध आयामों को मंच पर प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। प्रत्येक प्रस्तुति दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने वाली रही। कहीं हरियाणवी नृत्य की फूर्ती, ताल और ऊर्जा ने रोमांच भर दिया तो कहीं स्किट और मोनो एक्टिंग के माध्यम से प्रदेश की लोक कथाओं, सामाजिक मूल्यों, परंपराओं और जीवन संघर्षों को संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया गया।

हरियाणवी पॉप सॉग, हरियाणवी भजन, गजल, हरियाणवी ऑर्केस्ट्रा, वेस्टर्न ग्रुप सॉग, हरियाणवी ग्रुप सॉग, हरियाणवी, हिंदी स्किट, लोक गीत, लोक वाद्य यंत्र इंस्ट्रूमेंट, सोलो, क्ले मेकिंग, क्ले मॉडलिंग, कार्टूनिंग सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं ने पूरे विश्वविद्यालय परिसर को संस्कृति के दिव्य रंगों से भर दिया। विद्यार्थियों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास और जोश ने परिसर को एक जीवंत सांस्कृतिक उत्सव में परिवर्तित कर दिया।

उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उत्कृष्ट प्रस्तुतियों के लिए बधाई दी और आयोजन से जुड़े सभी विभागों व स्वयंसेवकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज यहां युवाओं की उमंग, ऊर्जा और जोश देखकर उनकी अपनी जवानी की यादें ताजा हो गईं। जिस अनुशासन, समर्पण और उत्साह के साथ विद्यार्थी इस इंटर जोनल यूथ फेस्टिवल में भाग ले रहे हैं, वह वास्तव में प्रशंसनीय है।

उन्होंने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। दूसरे दिन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंजाब विश्वविद्यालय के अध्यक्ष गुरुवीर सोहेल रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पद्म महावीर गुड्डू उपस्थित रहे।

युवा महोत्सवः छिपी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने का सशक्त माध्यम

विश्वविद्यालय कुलगुरु प्रो. राम पाल सैनी ने इस अवसर पर कहा कि युवा महोत्सव हमारे विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने का सशक्त माध्यम है। ऐसे आयोजनों से न केवल हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षण मिलता है बल्कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वासए टीम भावना और नेतृत्व कौशल का भी विकास होता है। सीआरएसयू शिक्षा के साथ-साथ संस्कृति, कला और नैतिक मूल्यों के संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत है।

सांस्कृतिक आयोजनों में अनुशासन समन्वय और टीमवर्क महत्वपूर्ण

विश्वविद्यालय कुलसचिव डा. राजेश बंसल ने कहा कि इस प्रकार के बड़े सांस्कृतिक आयोजनों के संचालन में अनुशासन, समन्वय और टीमवर्क की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। युवा महोत्सव विद्यार्थियों को न केवल मंचीय अनुभव प्रदान करता है बल्कि उनमें समय प्रबंधनए संगठन क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करता है। विश्वविद्यालय प्रशासन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।

विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में लें भाग

मुख्यअतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि युवा महोत्सव केवल प्रतियोगिताओं का मंच नही है बल्कि यह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक समरसता के विकास का सशक्त माध्यम है। आज का युवा ही कल का भविष्य है और ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से उनमें रचनात्मक सोच, आत्मविश्वास और अनुशासन का विकास होता है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से भाग लें ताकि उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।

जींद। मुख्यातिथि को सम्मानित करते हुए वीसी। फोटो : हरिभूमि

दैनिक भास्कर जींद भास्कर 23-01-2026

सीआरएसयू में युवा महोत्सव • हरियाणवी नृत्य, लोकगीत, स्किट और रचनात्मक प्रतियोगिताओं से विश्वविद्यालय परिसर हुआ जीवंत

युवाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दिया नैतिकता और मानवता का संदेश

भास्कर न्यूज | जींद

सीआरएसयू में आयोजित तीन दिवसीय इंटर जोनल युवा महोत्सव का दूसरा दिन कला, संस्कृति और उत्साह का अविस्मरणीय अनुभव बन गया। विश्वविद्यालय परिसर सुबह से ही रंग-बिरंगे परिधानों, लोक-संगीत और ढोल की थाप से जीवंत दिखाई दिया। चारों ओर हरियाणवी संस्कृति की सुगंध और विद्यार्थियों के उल्लासपूर्ण उत्साह ने महोत्सव को खास बना दिया। मंच पर हरियाणवी नृत्य की फुर्ती और ताल ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, तो वहीं स्किट और मोनो एक्टिंग के माध्यम से लोक कथाओं, सामाजिक मूल्यों और जीवन संघर्षों को संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया गया।

महोत्सव में हरियाणवी पॉप सॉन्ग, भजन, गजल, हरियाणवी ऑर्केस्ट्रा, वेस्टर्न ग्रुप सॉन्ग, लोक गीत, लोक वाद्य व इंस्ट्रूमेंट सोलो, क्ले मेकिंग, मॉडलिंग और कार्टूनिंग जैसी प्रतियोगिताओं ने पूरे परिसर को सांस्कृतिक रंगों से भर दिया। विद्यार्थियों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास और जोश ने इसे एक जीवंत उत्सव बना दिया। विवि वीसी प्रो. राम पाल सैनी ने कहा कि युवा महोत्सव विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने का सशक्त माध्यम है।

जींद. सीआरएसयू में आयोजित युवा महोत्सव के दौरान प्रस्तुति देते हुए विद्यार्थी। इधर, सांग की प्रस्तुति देते हुए युवा।

उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, टीम भावना और नेतृत्व कौशल का विकास होता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और स्वयंसेवकों के योगदान की सराहना की। प्रो. सैनी ने कहा कि युवाओं की यह ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में एक मजबूत आधार है।

मुख्य अतिथि पंजाब विश्वविद्यालय के अध्यक्ष गुरु वीर सोहेल ने कहा कि युवा महोत्सव केवल प्रतियोगिताओं का मंच नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक समरसता के विकास का अवसर है। विशिष्ट अतिथि पद्म श्री महावीर गुड्डू ने भी विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना की। विश्वविद्यालय कुलसचिव डॉ. राजेश बंसल ने बताया कि इस तरह के आयोजनों में अनुशासन, समन्वय और टीमवर्क की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने आयोजन समिति, निर्णायक मंडल और प्रतिभागी विद्यार्थियों को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

दैनिक जागरण

Date-23.01.2026

युवा महोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दिया नैतिकता-मानवता का संदेश

इंटर जोन यूथ फेस्टिवल के दूसरे दिन पाप सांग, भजन, गजल सहित अन्य इवेंट हुए

जागरण संवाददाता • जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय इंटर जोनल युवा महोत्सव का दूसरा दिन वीरवार को जारी रहा। महोत्सव के दूसरे दिन विभिन्न महाविद्यालयों व विश्वविद्यालय से आई टीमों ने अत्यंत उत्साह और समर्पण के साथ भागीदारी करते हुए हरियाणवी संस्कृति के विविध आयामों को मंच पर प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

हरियाणवी पाप सांग, हरियाणवी भजन, गजल, हरियाणवी आर्केस्ट्रा, वेस्टर्न ग्रुप सांग, हरियाणवी ग्रुप सांग, हरियाणवी-हिंदी स्किट, लोक गीत, लोक वाद्य यंत्र (इंस्ट्रूमेंट) सोलो, क्ले मेकिंग, क्ले मॉडलिंग, कार्टूनिंग जैसी विधाओं में विद्यार्थियों ने भाग लिया। कुलपति प्रो. रामपाल सैनी ने कहा कि युवा महोत्सव हमारे विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने का सशक्त माध्यम है। ऐसे आयोजनों से न केवल हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षण मिलता है, बल्कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, टीम भावना और नेतृत्व कौशल का भी विकास होता है। सीआरएसयू शिक्षा के साथ-साथ संस्कृति, कला और नैतिक मूल्यों के संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत है। युवाओं की यह ऊर्जा और रचनात्मकता राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक मजबूत आधार है। उन्होंने कहा कि आज यहां युवाओं की उमंग, ऊर्जा और जोश देखकर उनकी अपनी जवानी की यादें ताजा हो गईं।

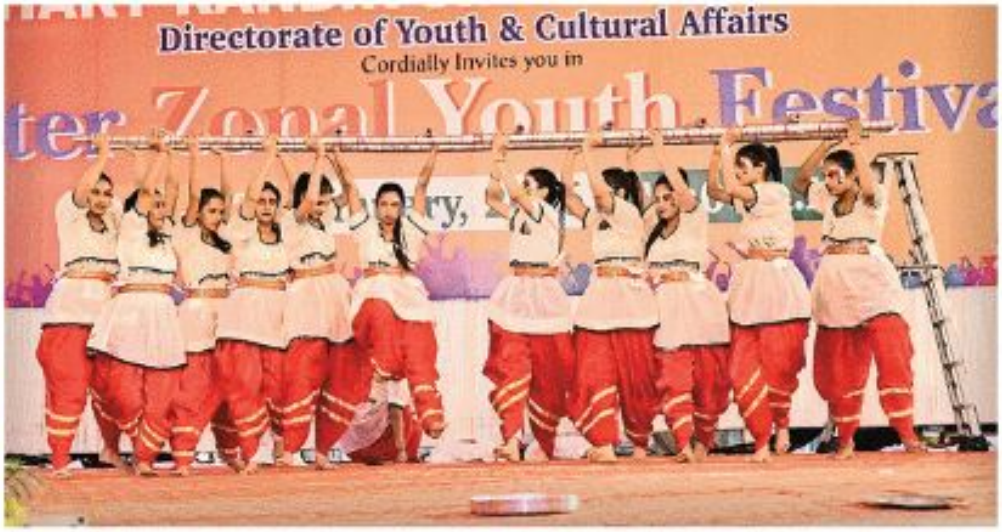

सीआरएयू में आयोजित इंटर जोनल यूथ फेस्टिवल के दौरान प्रस्तुति देते हुए प्रतिभागी। • जागरण

जिस अनुशासन, समर्पण और उत्साह के साथ विद्यार्थी इस इंटर जोनल यूथ फेस्टिवल में भाग ले रहे हैं, वह वास्तव में प्रशंसनीय है। दूसरे दिन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंजाब विश्वविद्यालय के अध्यक्ष गुरबीर सेहेल रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में पद्म महावीर गुड्डू ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि युवा महोत्सव केवल प्रतियोगिताओं का मंच नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक समरसता के विकास का सशक्त माध्यम है। आज का युवा ही कल का भविष्य है और ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से उनमें रचनात्मक सोच, आत्मविश्वास और अनुशासन का विकास होता है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सक्रिय रूप से भाग लें, ताकि उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके।

यूथ फेस्टिवल के दौरान प्रस्तुति देते प्रतिभागी। • जागरण

अमर उजाला

Date-23.01.2026

इंटर जोनल युवा महोत्सव में बिखेरे संस्कृति के रंग, दर्शक हुए मंत्रमुग्ध

युवा महोत्सव विद्यार्थियों की प्रतिभा और आत्मविश्वास को देता है नई उड़ान : कुलपति

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय इंटर जोनल युवा महोत्सव का दूसरे दिन वीरवार को विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों से आई टीमों ने मंच पर हरियाणवी संस्कृति के रंग बिखेरे। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों से दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए।

हरियाणवी पॉप सांग, हरियाणवी भजन, गजल, हरियाणवी आर्केस्ट्रा, वेस्टर्न ग्रुप सांग, हरियाणवी ग्रुप सांग, हरियाणवी-हिंदी स्किट, लोक गीत, लोक वाद्य यंत्र (इंस्ट्रूमेंट) सोलो, जैसी अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन सभी विधाओं में विद्यार्थियों ने अपनी कला, रचनात्मकता और मेहनत का शानदार प्रदर्शन किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रामपाल सैनी ने कहा कि युवा महोत्सव विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभाओं को सामने लाने का एक प्रभावी मंच है।

ऐसे आयोजनों से न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षण मिलता है बल्कि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का भी विकास होता है।

उन्होंने कहा कि सीआरएसयू शिक्षा के साथ-साथ संस्कृति, कला और नैतिक मूल्यों के संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत है। युवाओं की ऊर्जा और रचनात्मकता राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि विद्यार्थियों का उत्साह, जोश और अनुशासन देखकर उन्हें अपनी युवावस्था की यादें ताजा हो गईं। जिस लगन और समर्पण के साथ प्रतिभागी इस इंटर जोनल युवा महोत्सव में भाग ले रहे हैं वह सराहनीय है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में डांस करतीं कलाकार। संवाद

सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी करें विद्यार्थी : कार्यक्रम में पंजाब विश्वविद्यालय के अध्यक्ष गुरुवीर सोहेल और पद्म महावीर गुड्डू ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि युवा महोत्सव केवल प्रतियोगिताओं तक सीमित नहीं है बल्कि यह विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का सशक्त माध्यम है। विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शिक्षा के साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में भागीदारी करें।

कार्यक्रम में नाटक दिखाते कलाकार। स्रोत : विवि